श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

प्रथम वर्ष - अभ्यास - १०

मार्च - २०२२

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. दही में भात मिलाया जाये वह ..... कहलाता है ।
२. मानव जब ..... बनता है, तब सारासार का विवेक खो बैठता है ।
३. अरिहंत परमात्मा के प्रति जिसके हृदय में अटूट श्रद्धा हो वहाँ निश्चित ..... का वास होता है ।
४. जो जन साधु के वेष में मोक्ष में जाये वे ..... सिद्ध कहलाते है ।
५. एक ..... का अनन्तवाँ भाग ही मोक्ष में गया है ।
६. ..... पच्चक्खाण में दिन का आधा भाग जाये तब तक चतुर्विध आहार को त्याग करने का पच्चक्खाण किया जाता है ।
७. उपकारियों के उपकार का ..... ही हमारे हृदय में बहुमान की भावना जगायेगा ।
८. जीव की ..... का प्रबल आलंबन सर्वज्ञ भगवंत के वचन है ।
९. मनोबल और ..... की वृद्धि के लिये पच्चक्खाण अति आवश्यक है ।
१०. महानता तो खुद के सुख को ..... दूसरे के सुख को मुख्य बनाने में है ।
११. प्रभुने जो जो तप किये वे ..... ही थे ।
१२. जहाँ ..... मजबूत हो वहाँ सिद्धि सहज होती है ।
१३. अपना जीवन ..... की सहायता और सहकार के बिना संभवित ही नहीं ।
१४. चिंतन और मनन करके ..... प्राप्त करें तो जरुर वैराग्य जागृत हो ।
१५. पानी ..... और घी मिश्र करके उबालें, उसमें दरदरा आटा डाल कर पकायें वह लापसी ।
१६. नरक के नीचे के प्रतर में ..... योनि होती है ।
१७. चोविहार उपवास में ..... में बारिश की बूंद पडे उससे पच्चखाण भंग नही होता है ।
१८. मानव की आत्मा का और द्रव्य प्राणोंका वियोग हुआ, याने आत्मा देह छोडकर ..... अन्य गति में जाती है ।
१९. वीर प्रभु ने बिना कारण हैरान करने वाले ..... पर क्रोध न करते हुए कृपा ही बरसाई ।
२०. हमें ..... में जाना है तो उसके लिये पासपोर्ट, विझा तैयार करना ही पडता है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. सूर्य और चंद्र प्रभु को वंदन करने किस नगरी में आये ?
२. साधु गृहस्थ के देखते आहार करे तो कौनसा महादोष लगता है ?
३. मोक्ष नगरी का प्रवेश द्वार कौनसा ?
४. मेघकुमार ने हाथी के भव में किसका दान किया था ?
५. चाँवल का थोडा आटा डालकर पकाये गये दूध को क्या कहते हैं ?
६. जीवों के उत्पन्न होने का स्थान कौनसा ?
७. पुन्य संचय के लिये उत्कृष्ट साधन क्या ?
८. वसुमती को मूल्य देकर किसने लिया ?
९. महादुःख को टालने का रामबाण उपाय कौनसा ?
१०. इंट का जवाब पत्थर से देने वाले लोगों का समावेश कौन से प्रकार में होता है ।
११. वज्र समान डंख देने वाले मच्छर कौनसे ?
१२. जीव विचार के माध्यम से जिनेश्वर परमात्मा की वाणी कौन समझाते हैं ?
१३. दुष्काल के समय चारों बाजू दानशालायें किसने खोली ?
१४. संसार से भय पाकर सेवक किसने रखा ?
१५. जिसके खाने से जीव को अरुचि उत्पन्न हो वह कौनसा आहार ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. लोहा २) जोणीण ३) ठिइ ४) अणागयद्धा ५) भणिया ६) चंदणा ७) नारय ८) साहू ९) नपुंसा १०) कविलाई
११. सायरम्मि १२) वयणाई १३) गणहारि १४) गौआ १५) भीसणे १६) मितंपि १७) तिरियाणं १८) भावेण
१९. अणेगा २०) भमिहंति

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) संरोहिणी	१) उत्पात	६) चमरेन्द्र	६) औषधी
२) आनंद श्रावक	२) जमाली	७) कडे माणे कडे	७) वल्कलचीरी
३) अन्यलिंग सिद्ध	३) दादा	८) दुःख भरे	८) अनाहारी
४) गुडवेल	४) हीरसूरिश्वरजी	९) अकबर	९) पौषध
५) आम	५) आनंदधनजी	१०) सज्झाय	१०) संसार

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. पच्चक्खाणो के आगार कितने ?
२. समकित के लक्षण कितने ? (उत्तराध्यन सूत्र में)
३. संगमदेव ने प्रभु को एक रात में कितने उपसर्ग किये ?
४. विगई कितनी ?
५. कुमारपाल महाराज ने कितने देश में अमारि पडह की उद्घोषणा करवाई ।
६. वीर प्रभु ने कितने छठ्ठ (बेले) किये ।
७. मनुष्य की योनि कितने लाख ।
८. विद्यार्थी ने बारहवीं क्लास में कितने प्रतिशत मार्क्स लाने का संकल्प किया ।
९. निवियाता कितने होते हैं ।
१०. प्रभु के तप और पारणे के सर्व दिन कितने ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. निश्चय सम्यग् दर्शन के लिये व्यवहारिक सम्यग् दर्शन अत्यन्त आवश्यक है ।
२. सभी दुःखो में सबसे बडा दुःख पैसों का है ।
३. शिंगोडा स्वादिम है ।
४. सिद्धों के जीवों की स्थिति सादि है ।
५. जहाँ मोह है वहाँ क्रोध लोभ भय हास्य है ।
६. औषधी डालकर पकाया हुआ घी सलवण कहलाता है ।
७. पच्चक्खाण बिना का तप फलदायी नहीं ।
८. कृतज्ञता को दूर हटा कर कृतघ्नता के स्वामी बनिये ।
९. मार्ग चूके तो लक्ष्य भूल जाये ।
१०. द्राक्ष खोपरा आदि डालकर पकाये दूध को पयसाडी कहते हैं ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. बादल खारा पानी पीकर मीठा जल बरसाते हैं ।
२. नहीं, अब इस संसार में और नहीं घूमना ।
३. बेटा आम बो रहा हूँ ।
४. मैनें आपके बहुत अपराध किये हैं, मुझे क्षमा करो ।
५. मन मोक्ष की और दौडने लगता है ।
६. साधु को एक निवि में निवियाता लेना कल्पता है ।
७. तब उसे अन्य कहीं भी जाने की जरुरत लगती नहीं ।
८. पूरा संसार खाली हो जायेगा ।
९. बस जो बात बाह्य जीवन के लिये है, वही बात अभ्यंतर जीवन के लिये है ।
१०. आँवले वगैरे औषधी डालकर उबाला हुआ घी वह पक्वघृत कहलाता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. वीर प्रभु का अभिग्रह २) पच्चक्खाण अति आवश्यक ३) आनंदघनजी महाराज की सज्झाय का महत्व
४. साधक को ज्यादा जागृत करने के लिये श्री शांतिसूरश्विरजी म.सा. का विवेचन ।
५. नवतत्वज्ञान का अखूट खजाना ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com